Exam. Code: 0007
Sub. Code: 0606

1129

B.A./B.Sc. (Hons.)-3rd Semester

Hindi

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोटः— निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।

-*-*-*-

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए काव्य—सौन्दर्य भी स्पष्ट करें:—

(क) रानी अकुलानी सब डाढ़त परानी जाहि
सकै न विलोकि वेषु केसरी कुमार को।।
मीजि मीजि हाथ धुनै माथ दसनाथ तिप
'तुलसी' तिलौ न भयां नाहेर अगार को।।
सबु असबाबु डाढो, मैं न काढ़ो, तै न काढ़ौ,
जिसकी परी सँभारे सहन भंडार को।
खीझति मदोबे सविषाद देखि मेघिनाद,
नयो लुनियत सब याही दाढ़ीज़ाव को।।

अथवा

बड़ो विकराल वेष देखि, सुनि सिंहनाद,
उठ्यो मेघनाद सविषाद कहै रावनो।
बेगि जीत्यो मारुत प्रताप मारतंड कोटि,
कालऊ करालता, बड़ाई जीते बावनो,
'तुलसी' सयाने जातुधान पछिताने मन,
जको ऐसो दूत सो साहेब अबे आवनो।
काहे को कुशल रौषे राम नामदेबहू के,
विषम बलो सों बादि बैर को बढ़ावनो। (12)

(ख) सबसे प्रथम कर्त्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में?
शिक्षा बिना ही पड़ रहे हैं आज हम सब क्लेश में।
शिक्षा बिना कोई कभी बनता नहीं सत्पात्र है,
शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है।

अथवा

हे नवयुवाओ। देश भर की दृष्टि तुम पर ही लगी,
है मनुज जीवन की तुम्हीं में ज्योजि सबसे जगमगी।
दोगे न तुम तो कौन देगा योग देशोद्धार में?
देखो, कहाँ क्या हो रहा है आजकल संसार में? (12)

P.T.O.

2. तीन समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक काव्य–कृति में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है:–

(क) 'सुंदरकाण्ड' के काव्य–सौष्ठव पर प्रकाश डालें।

अथवा

'सुंदरकाण्ड' के आधार पर हनुमान के साहसिक कार्यों का वर्णन करें।

(ख) खण्डकाव्य 'भारत भारती' का मूल उद्देश्य क्या है?

अथवा

'भारत भारती' के 'भविष्यत् खण्ड' के आधार पर कवि की विचार योजना का विवेचन करें।

(ग) 'सुंदरकाण्ड' की विषय–वस्तु पर प्रकाश डालें।

अथवा

'भारत–भारती' के काव्य–शिल्प पर संक्षिप्त नोट लिखें। (18+18+18)

3. भूमण्डलीकरण के युग में हिन्दी की वैश्विक स्थिति तथा महत्व का प्रतिपादन करें। (12)

-*-*-*-